AUDIO VIDEO Play

श्री मुख वाणी गायन

मासूक मेरे रूह चाहे

मासूक मेरे रूह चाहे सिफत करूं, सो मैं जाए ना कही।
जब देख्या बेवरा कर, तब तामें उरझ रही।।

राह देखाऊं सबन को, ऐसो बल दियो खसम।
सब को फना से बचाए के, लगाए तुमारे कदम।।

खेल बनाया मेरे वास्ते, मोहे भेज के आए आप।
पट खोल इलम समझाइया, मोसों नीके कियो मिलाप।।

ए दिल की बातें कासों कहूं, रूह की जानो सब।
बोलन की कछू ना रही, जो कहो सो करूं मैं अब।।

बैठाई आप जैसी कर, सो खोल देखाई नजर।
अजूं मांगत मेरे धनी, और ऐसे तुम कादर।।

जब हकें मोहे इलम दिया, तब मोसों कही निसबत।
सो निसबत बका हक की, ताकी होए ना इत सिफत।।

महामत कहे मेहेबूब जी, मोहे खेल देखाया बुजरक।
करो मीठी बातें मुझसों, मेरे मीठे खसम हक।।